शंखनाद महाअधिवेशन की झलकियाँ

■ महिला संगठन का कदाचित यह पहला अधिवेशन था जिसमें महासभा के चारों

केंद्रीय पदाधिकारी सभापति श्री श्याम सोनी, महामंत्री श्री संदीप काबरा, अर्थ मंत्री श्री आर एल

■ काबरा एवं संगठन मंत्री श्री अजय काबरा तीनों दिन उपस्थित रहे। समापन समारोह में युवा संगठन के भी चारों केंद्रीय पदाधिकारी अध्यक्ष श्री राजकुमार काल्या , महामंत्री श्री आशीष जाखेटिया, अर्थमंत्री श्री राहुल बाहेती, संगठन मंत्री श्री भरत तोतला उपस्थित रहे।

■ अ.भा. माहे. महिला संगठन ने शंखनाद अधिवेशन में एक साथ चार विश्व कीर्तिमान

बनाकर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। इस द्वादश सत्र मे

विभिन्न समितियों के माध्यम से 10 स्वर्णिम विश्व रिकार्ड बनाए, यह भी एक रिकार्ड बना ।

■ राष्ट्रीय मंच पर प्रथम बार 25 से लेकर 65 वर्ष आयु की 21 बहनों ने जागृति कवियत्री सम्मेलन

में भाग लिया तथा श्रृंगार रस से लेकर वीर रस तक की स्वरचित कविताए प्रस्तुत कर उपस्थित

श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

■ कौन बनेगी मणिकर्णिका अर्थात् झांसी की रानी प्रतियोगिता में कई बहनों ने कई अनछुए क्षेत्रों में अपना हुनर

दिखाया। इस प्रतियोगिता में एक बहन बॉक्सर भी थी,

जिसने 32 वर्ष की आयु में इस क्षेत्र में पर्दापण किया। एक बहन तलवारबाजी का कौशल

निभा रही थी तो एक बहन ने योगा के साथ नृत्य को जोड़कर अद्भुत कौशल का प्रदर्शन

कर सभी को अचम्भित कर दिया।

■ इस प्रतियोगिता के लिए नेटफ्लिक्स शो इंडियन मैचमेकिंग से सीमा जी तापडीया मुंबई, फ़ोर्ब्स मैगजीन में एशिया की टाॅप 100 महिलाओं में शामिल बैंगलोर की रोहणी जी मूंदडा व कोटा की यूट्बर एवं लाईफ कोच सपना जी अग्रवाल ने जज की भूमिका का निर्वहन किया।

■ समाज में व्याप्त ज्वलंत समस्याओं को समाधान के साथ, टी वी सहित अन्य माध्यम के

साथ संयोजन कर, लघुनाटिका के रुप में प्रस्तुत कर समाजजनों के सिर्फ दिमाग ही

नहीं, सीधे दिल में भी उतारा।

■ भव्य, आकर्षक, मनोहारी व अनुशासनात्मक शोभायात्रा, चारों धाम के मंदिर की सुंदर

झाँकी के साथ हरे राम हरे कृष्ण" की धुन के साथ कोटा में निकाली गई, कोटावासियों

द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

■ 5G के युग में गाय, गंगा, गीता, ग्रामीण एवं गोविंद पाँचों विषय पर सुंदर, संदेशात्मक,

कारण व निवारण के साथ सटीक नृत्य नाटिका के प्रस्तुतिकरण अत्यन्त सराहे गए।

इस समय खचाखच भरे सभागार में पैर रखने की जगह नहीं थी ।

■ कर्म सारथी 2022 क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी ज्ञानदार तथा शानदार था।

■ 2000 बहनों के आगमन से प्रस्थान तक यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन कोटा समाज ,महिला मंडल तथा युवा–

संगठन की टीम ने बहुत आत्मीयता से किया।

■ शोभा यात्रा लगभग 1.5 किमी लंबी थी जिसमें अलग–अलग क्षेत्रों की सजी–धजी

झांकियां एवं भगवान के मनोहारी स्वरुप ने उपस्थित जनसमुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।

■ शोभायात्रा में फूलों से सजे दो खुले वाहनों में सभापति श्री श्याम जी सोनी ,महासचिव श्री संदीप जी काबरा, पूर्व सभापति श्री रामपाल जी सोनी, अर्थ मंत्री श्री आर एल काबरा, संगठन मंत्री श्री अजय जी काबरा तथा सबसे आगे

महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा माहेश्वरी व राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती मंजू

बांगड़, स्वागत अध्यक्ष श्रीमती ममता मोदानी स्वागत मंत्री श्रीमती किरण मानधना सभी का अभिवादन करते चल रहे थे।

■ शोभायात्रा में एलन के निदेशक श्री गोविंद माहेश्वरी द्वारा गाए जा रहे भजनों पर विभिन्न

प्रांतों से आई समाज की प्रतिनिधि अपने आप को नाचने से नहीं रोक पा रही थी।

उनके भजनों पर नाच रही मातृशक्तियां ने अनेक प्रकार की स्टेप प्रस्तुत की जो बहुत ही

सुंदर वह देखने लायक थी।

■ शरद पूर्णिमा के अवसर पर श्री गिरिराज मित्र मंडल परिवार कोटा के सानिध्य में पारंपरिक परिधानों में सजी बहनों द्वारा महारास की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही ।

■ तकनीकी जानकारी तथा विस्तृत सूचनाओं हेतु ATM(any time margdarshan) एक info desk एक अलग अंदाज में लगाया गया जिसको सभी ने सराहा।

■ श्लोक वाचन तथा शंख के नाद द्वारा शुभारंभ हुआ जिसमें बापूजी श्री रामेश्वर लाल जी काबरा तथा मां श्रीमती रतनी देवी काबरा तथा गणमान्य अतिथियों के द्वारा राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त समाज की 8 महिलाओं को सशक्त महिला सम्मान तथा 6 किशोरियों को किशोरी प्रतिभा सम्मान राष्ट्रीय स्तर से प्रदत्त किया गया।

■ उद्घाटन समारोह में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति अत्यंत मनोहारी थी तथा मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री ओम कृष्ण जी बिरला अध्यक्ष लोक सभा की उपस्थिति एवं सारगर्भित उद्बोधन ने सभी का प्रोत्साहन किया

■ अधिवेशन के समापन अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोविंद जी माहेश्वरी द्वारा आए हुए

सभी प्रतिनिधियों को नाथद्वारा तीर्थ का प्रसाद उपलब्ध कराया गया जिसकी सभी ने

सराहना की।